

पंजि स्त्री. (तद्.) 1. वही, रजिस्टर 2. वह रजिस्टर या जिल्द जिसमें तरह-तरह के विवरण, लेन-देन, जन्म-मृत्यु-विवरण, गृह या भूमि की अधिकृत बिक्री आदि दर्ज किए जाते हैं।

पंजिका स्त्री. (तत्.) 1. रजिस्टर 2. तिथि-पत्र 3. शब्द की, व्याख्या करने वाली टीका 4. पंचांग।

पंजी स्त्री. (तत्.) दे. पंजि।

पंजीकरण पुं. (तत्.) 1. लेखा आदि के बही खाते या लिखे जाने की क्रिया या कार्य registration

पंजीकार पुं. (तत्.) 1. बही या खाता लिखने वाला, लेखक 2. लिपिक, क्लर्क 3. भूमि या अन्य संपत्तियों की बिक्री को अधिकृत करने वाला पंजीयक या रजिस्ट्रार।

पंजीकृत वि. (तत्.) जिसे खाते या रजिस्टर में दर्ज कर लिया गया अथवा चढ़ा लिया गया हो, रजिस्टर्ड registered

पंजीयक पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो दस्तावेजों एवं महत्वपूर्ण अभिलेखों के प्रामाणिक विवरण, लिपि या प्रतिलिपि को रजिस्टर में दर्ज करता है।

पंजीयन पुं. (तत्.) एक प्रक्रिया जिसमें मकान, जमीन की बिक्री या हस्तांतरण आदि का विवरण तथा बेचने खरीदने वाले का नाम, पता आदि अभिलेख के रूप में सुरक्षित रखा जाता है।

पंजीरी स्त्री. (देश.) आटे को घी के साथ आँच पर भूनकर तथा उसमें पिसा धनियाँ, सोंठ, चीनी तथा जीरा आदि मिलाकर तैयार की गई खाने की वस्तु। स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ इसका प्रयोग नैवेद्य के लिए किया जाता है।

पंजुम वि. (फा.) पाँचवाँ (संस्कृत-पंचम)।

पंड पुं. (तत्.) 1. नपुंसक, हिजड़ा 2. निष्फल, वह वृक्ष जिसमें फल न लगे 3. पाँडव 4. पिंड वि. फलरहित।

पंडग पुं. (तत्.) खोजा, नपुंसक।

पंडरा पुं. (देश.) पानी ढरने की क्रिया, परनाला, पनाला।

पंडरी स्त्री. (देश.) ईख की बुवाई हेतु रखी गई भूमि।

पंडल वि. (तद्.) 1. पीला, पीतवर्णी 2. (पुं.) पिंड, शरीर।

पंडवार पुं. (देश.) 'पांडव'।

पंडा पुं. (तद्.) 1. किसी घाट, मंदिर या तीर्थ स्थल का पुजारी 2. रोटी बनाने वाला ब्राह्मण या महाराज, रसोइया स्त्री. (तत्.) 2. अच्छे बुरे का भेद (निश्चय) करने वाली बुद्धि, ज्ञान, विद्या 2. विवेक, बुद्धि।

पंडाइन स्त्री. (देश.) पंडा की पत्नी 2. रसोइया की पत्नी।

पंडा पूर्व पुं. (तत्.) 1. मीमांसा शास्त्र के अनुसार वह अदृष्ट जो अपना फल न दे सके, अर्थात: फलरहित अदृष्ट।

पंडाल पुं. (तमिल पंडल) समारोह, सम्मेलन आदि के लिए बनाया गया मंडप।

पंडित पुं. (तत्.) 1. विद्वान, शास्त्रज्ञ, ज्ञानी, ब्राह्मण 2. कुशल, प्रवीण, चतुर।

पंडितक पुं. (तत्.) 1. धृतराष्ट्र के एक पुत्र का नाम 2. विद्वान वि. चतुर, विज्ञ. व्यक्ति।

पंडितम्मन्य वि. (तत्.) 1. स्वयं को विद्वान मानने वाला, 2. पांडित्याभिमान 3. मूर्ख।

पंडित-राज पुं. (तत्.) बहुत बड़ा तथा प्रतिष्ठित विद्वान, संस्कृत के प्रसिद्ध विद्वान आचार्य जगन्नाथ की उपाधि जिन्हें "पंडित राज-जगन्नाथ" कहा जाता था।

पंडिता वि. (तत्.) विदुषी। स्त्री. (तत्.) विदुषी स्त्री।

पंडिताइन स्त्री. (देश.) पंडित की पत्नी, ब्राह्मणी।

पंडिताई स्त्री. (देश.) पौरोहित्य-कर्म, पुरोहित का कार्य, विद्वता।